कक्षा 8 वीं के विद्यार्थियों की भाषा सृजनशीलता एवं हिन्दी में उपलब्धि का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2007–2008

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

मार्गदर्शक
संजय कुमार पंडागले
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
नवनाथ इंगले
(एम.एड. छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,
भोपाल (म.प्र.)

कक्षा 8 वीं के विद्यार्थियों की भाषा सृजनशीलता एवं हिन्दी में उपलब्धि का अध्ययन

D –260

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2007–2008

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

मार्गदर्शक
संजय कुमार पंडागले
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
नवनाथ इंगले
(एम.एड. छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,
भोपाल (म.प्र.)

घोषणा पत्र

मैं नवनाथ इंगले छात्र एम.एड.(प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि "कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों की भाषा सृजनशीलता एवं हिन्दी में उपलब्धि का अध्ययन" नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2007-08 में मेरे द्वारा संजयकुमार पंडागले, प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की 2007-08 की उपाधि परीक्षा के आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध के लिये गये आंकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोंतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किए गये है तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 2008

शोधकर्ता
नवनाथ इंगले
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नवनाथ इंगले, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र हैं। इन्होनें बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध "कक्षा 8 वीं के विद्यार्थियों की भाषा सृजनशीलता एवं हिन्दी में उपलब्धि का अध्ययन" मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोधकार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2007-2008 की अंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 2008

संजयकुमार पंडागले 17/4/08

मार्गदर्शक
संजयकुमार पंडागले
प्रवक्ता, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध ''कक्षा 8 वीं के विद्यार्थियों की भाषा सृजनशीलता एवं हिन्दी में उपलब्धि का अध्ययन'' की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे शिक्षक संजयकुमार पंडागले, प्रवक्ता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को जाता है। जिन्होनें निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा हमेशा प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध उनके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होनें मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है। अतः में उनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्रो. डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, प्रो. डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और शिक्षा विभाग के सभी प्रवाचक और व्याख्याताओं के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ। जिन्होनें मुझे शोधकार्य की सम्पन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ।

मैं परम मित्र बलीराम शिंदे, गणेश जगदाड़े, अब्दुल रब, पांडूरंग दुकले, कौशिराम नाईक एवं सभी सहपाठियों का धन्यवाद करता हूँ। जिन्होनें समय-समय पर यह कार्य पूर्ण करने में मेरा साहस बढ़ाया।

मैं उन सभी विद्यार्थियों और प्राचार्य का आभारी हूँ, जिन्होनें मुझे प्रदत्त संकलन में अपना बहुमूल्य समय तथा सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने आदरणीय माता-पिता, भाई-बहन और परिवार के सभी सदस्यों का ऋणी रहूँगा, जिन्होनें मेरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन,मन,धन से सहयोग दिया।

अंत में मैं उन सभी व्यक्तियों का धन्यवाद करना चाहूँगा जिन्होनें इस लघुशोध कार्य को पूरा करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मद्द की है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 2008

नवनाथ इंगले
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका

अध्याय		पृष्ठ संख्या
अध्याय–प्रथम :	**शोध परिचय**	1–11
1.1	प्रस्तावना	
1.2	भाषा की परिभाषा एवं महत्व	
1.3	हिन्दी भाषा शिक्षण का पाठ्यक्रम में स्थान	
1.4	शिक्षा की राष्ट्रीय नीति (1968)	
1.5	हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य	
1.6	सृजनात्मकता की परीभाषा	
1.7	सृजनात्मकता के घटक	
1.8	सृजनात्मकता तथा भाषा में संबंध	
1.9	शिक्षक की भूमिका	
1.10	शोध की आवश्यकता	
1.11	समस्या कथन	
1.12	क्रियात्मक व्याख्या	
1.13	प्रस्तुत अनुसंधान के उद्देश्य	
1.14	प्रस्तुत अनुसंधान की परिकल्पनाएँ	
1.15	प्रस्तुत अनुसंधान की मर्यादाएँ	
अध्याय–द्वितीयः	**सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन**	12–19
2.1	प्रस्तावना	
2.2	साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	
2.3	शोध से संबंधित कार्य	
2.4	उपसंहार	

अध्याय–तृतीयः **शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया** 20–27

3.1 प्रस्तावना

3.2 प्रतिदर्श का चयन

3.3 प्रतिदर्श का विवरण

3.4 शोध में प्रयुक्त चर

3.5 शोध में प्रयुक्त उपकरण

3.6 प्रदत्तों का संकलन

3.7 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ

अध्याय चतुर्थः **प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या** 28–34

4.1 भूमिका

4.2 परिकल्पनाओं का सत्यापन

अध्याय–पंचम **शोधसार, निष्कर्ष एवं सुझाव** 35–40

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या कथन

5.3 प्रस्तुत अनुसंधान के उद्देश्य

5.4 प्रस्तुत अनुसंधान की परिकल्पनाएँ

5.5 प्रस्तुत अनुसंधान के चर

5.6 प्रतिदर्श का चयन

5.7 शोध में प्रयुक्त उपकरण

5.8 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय

5.9 निष्कर्ष

5.10 सुझाव

5.10.1 शिक्षकों के लिए सुझाव

5.10.2 पालक के लिए सुझाव

5.10.3 विद्यार्थियों के लिए सुझाव

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट

तालिका सूची

तालिका क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
3.3	प्रतिदर्श का विवरण	22
4.2.1	छात्र तथा छात्राओं की भाषा सृजनशीलता को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकता	29
4.2.2	छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकता	30
4.2.3	छात्रों की भाषा सृजनशीलता तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणाक	31
4.2.4	छात्राओं की भाषा सृजनशीलता तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणाक	32
4.2.5	विद्यार्थियों की भाषा सृजनशीलता एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक	33